Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

M.A. Darshan, Semester : Fourth
Darshan ; Paper : Second

न्याय–वैशेषिक–4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्याय दर्शन के 4.1 में आये प्रवादों का नामोल्लेख करते हुए किसी एक के पक्ष-विपक्ष को पूरा बतायें।
2. अभाव को परिभाषित करते हुए अभाव के प्रकारों का प्रामाणिक वर्णन करें।
3. अपवर्ग को सिद्ध करके उसकी प्राप्ति के उपायों की भी सप्रमाण विस्तृत व्याख्या करें।
4. वैशेषिक दर्शन के अनुसार स्मृति ज्ञान के कारणों का विस्तृत उल्लेख करें।
5. निम्नलिखित सूत्रों की सप्रसंग व्याख्या करें –

   (i) तत्त् त्रैराश्यं राग द्वेषमोहार्थान्तरभावात् (ii) ऋणक्लेशप्रवृत्यनुबन्धादपवर्गाभावः।
   (iii) दुःखविकल्पे सुखाभिमानाच्च।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. न्यायदर्शनानुसार दुःख का स्वरूप बताते हुए उसे दूर करने के उपाय भी बतायें।
2. तत्त्वज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया का वर्णन करें।
3. धर्म स्कन्ध कौन-कौन से हैं? संक्षिप्त व्याख्या करें।
4. "तन्निमित्तं त्ववयव्यभिमानः" – इस सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
5. आत्मा का प्रत्यक्ष कैसे करें? वैशेषिक दर्शन के अनुसार व्याख्या करें।
6. वैशेषिक दर्शन के अनुसार अज्ञान (अविद्या) की उत्पत्ति के कारण बतायें/तथा अविद्या के प्रकार भी बतायें।
7. आचार्य प्रशस्तपाद के अनुसार सुख का निरूपण करें।

----------X----------